युवा चेतना शिविर, 700 युवाओं ने भाग लिया

निदेशक-प्राचार्यों को स्मृति चिह्न प्रदान करते मंचासीन गणमान्य एवं शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि

कोसली। हरियाणा

गायत्री परिवार कोसली तथा जनप्रतिनिधि श्री लक्ष्मण यादव व श्री रामचन्द्र यादव के संयुक्त प्रयासों से 3 अगस्त को कोसली में युवा चेतना शिविर आयोजित हुआ। इसकी मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित रीजनल डायरेक्टर डॉक्टर सुषमा जोशी थीं। शिविर में युवा, किशोर एवं बच्चों की भागीदारी रही। लगभग 700 लोगों ने इसमें भाग लिया।

शिविर संचालन के लिए शान्तिकुञ्ज से प्रो. प्रमोद भटनागर, श्री बालरूप शर्मा, श्री आशीष सिंह की टोली पहुँची थी। तीनों ने स्वामी विवेकानन्द द्वारा किए गए आह्वान **'उत्तिष्ठतः जाग्रतः प्राप्ति वरान्निबोधत'** तथा पूज्य गुरुदेव के बताये धर्म के दस लक्षण और पंचशीलों को अपनाने की प्रेरणा दी। इन विषयों का उन्होंने बड़ा प्रभावशाली प्रतिपादन किया।

स्थानीय वक्ता श्री लक्ष्मण यादव ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। श्वेता चक्रवर्ती ने गायत्री परिवार के उद्देश्य पूज्य गुरुसत्ता के जीवन तथा आदर्शों की चर्चा की।

इस अवसर पर अपनी कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले दसवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रतिभागी स्कूल-कॉलेज के डायरेक्टर, प्रिंसिपल एवं प्राचार्यों को भी धन्यवाद स्वरूप कार्यक्रम का स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

पर होगा विभूति

लोहिया, डॉक्टर जगदीप सिंगला व डॉक्टर आनंद शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से चयनित 21 विभूतियों को भारतीय गौरव अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसमें समाज सेवा, शिक्षा, खेल, कला, साहित्य, पत्रकारिता, गायन व

गणतंत्र दिवस पर होगा रंगारंग प्रो

नई दिल्ली। नई दिल्ली के पश्चिम विहार में नव चेतना युवा सोसायटी द्वारा आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सोसायटी के प्रधान विनोद नरवाल ने बताया कि इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 21 विभूतियों को भारत गौरव अवार्ड से भी सम्मानि जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें शिक्षा, कला, साहित्य, समाज चिकित्सा आदि क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाली विभूतियां शामिल इस कार्यक्रम में पंजाबी सिंगर, अभिनेत्री, ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट एस्ट्रोलॉजर व मोटिवेशनल स्पीकर अर्पिता बंसल मुख्य अतिथि के

गणतंत्र दिवस पर होगा विभूतियों का सम्मान

बागपत। अपनी नवचेतना युवा सोसाइटी एवं आस्था समर्पण सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में गणतंत्र दिवस के मौके पर पक्षिम विहार में 21 विभूतियों का सम्मान किया जाएगा। इस मौके पर देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। सोसायटी के प्रधान विनोद

गणतंत्र दिवस पर होगा विभूतियों का सम्मान

डॉ. सुषमा जोशी को मिला वूमेन ऑफ सब्सटेंट्स अवॉर्ड

रेवाड़ी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में कार्यरत फिजिक्स की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुषमा जोशी को सशक्ति नारी परिषद एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वूमेन ऑफ सब्सटेंट्स अवार्ड से नवाजा गया।

नई दिल्ली सीरीफोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सुषमा जोशी को उनके द्वारा चलाए गए ब्रेस्ट कैंसर अभियान व पेंट इंडिया पिंक मूवमेंट के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है। कार्यक्रम की संयोजिका दीपा अंतिल अध्यक्षा सशक्त नारी परिषद ने डॉ. सुषमा के कार्यों की सराहना की। डा. सुषमा इस समय प्रदेश की पेंट इंडिया पिंक मूवमेंट की ब्रांड एम्बेडर भी हैं।

रीजनल सेंटर निदेशिका डॉ. सुषमा जोशी को मिला 'वूमेन ऑफ सब्सटेंट्स' अवॉर्ड

रीजनल सेंटर निदेशिका डॉ. सुषमा जोशी नई दिल्ली में एक समारोह के दौरान अवॉर्ड ग्रहण करते हुए।

भास्कर न्यूज़ | रेवाड़ी

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के उच्च अधिगम संस्थान में कार्यरत फिजिक्स की एसोसिएट प्रोफेसर एवं रीजनल सेंटर कृष्ण नगर की निदेशिका डॉ. सुष्मा जोशी को सशक्त नारी परिषद एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से 'वूमेन ऑफ सब्सटेंट्स' अवॉर्ड से नवाजा गया। उक्त पुरस्कार डॉ. जोशी को उनके द्वारा चलाए गए ब्रेस्ट कैंसर अभियान और फिट इंडिया पिंक मूवमेंट के लिए प्रदान नई दिल्ली स्थित सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में प्रदान किया गया। कार्यक्रम संयोजिका एवं परिषद अध्यक्षा दीपा अंतिल ने डॉ. जोशी के कार्यों को सराहनीय बताया। बता दें कि डॉ. जोशी फिट इंडिया पिंक मूवमेंट के तहत हरियाणा राज्य की ब्रांड एंबेस्डर भी हैं।

हत्या के प्रयास व धमकी देने के मा... में पुलिस ने आरोपी किया गिरफ्तार

भास्कर न्यूज़ | रेवाड़ी

धारूहेड़ा सेक्टर-6 थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास एवं धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी ... की संतोष एन्क्लेव निवासी हेमंत शर्मा ने अपनी शिकायत में कहा था कि 21 मई की शाम को वह अपने घर पर था। शाम को गांव ... निवासी संदीप व अमन अपने साथियों के साथ स्कार्पियो गाड़ी में ...

रीजनल सेंटर निदेशिका डॉ. सुषमा जोशी को मिला 'वूमेन ऑफ सब्सटेंट्स' अवॉर्ड

रीजनल सेंटर निदेशिका डॉ. सुषमा जोशी नई दिल्ली में एक समारोह के दौरान अवॉर्ड ग्रहण करते हुए।

भास्कर न्यूज | रेवाड़ी

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के उच्च अधिगम संस्थान में कार्यरत फिजिक्स की एसोसिएट प्रोफेसर एवं रीजनल सेंटर कृष्ण नगर की निदेशिका डॉ. सुषमा जोशी को सशक्त नारी परिषद एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से 'वूमेन ऑफ सब्सटेंट्स' अवॉर्ड से नवाजा गया। उक्त पुरस्कार डॉ. जोशी को उनके द्वारा चलाए गए ब्रेस्ट कैंसर अभियान और फिट इंडिया पिंक मूवमेंट के लिए प्रदान नई दिल्ली स्थित सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में प्रदान किया गया। कार्यक्रम संयोजिका एवं परिषद अध्यक्षा दीपा अंतिल ने डॉ. जोशी के कार्यों को सराहनीय बताया। बता दें कि डॉ. जोशी फिट इंडिया पिंक मूवमेंट के तहत हरियाणा राज्य की ब्रांड एंबेस्डर भी हैं।

सुषमा जोशी नेशनल 'वूमैन एक्सीलेंस' से सम्मानित

गोहाना में रविवार को सम्मान पत्रक दिखाते सुषमा जोशी।-निस

गोहाना (निस) : योग कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा इंडो-यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजिज के सहयोग से आयोजित १०वें नेशनल वूमैन एक्सीलेंस अवार्ड में देशभर की २१ महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनमें से बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका सुषमा जोशी हैं। सम्मान समारोह २५ नवम्बर को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में सम्पन्न हुआ जिसकी मुख्यातिथि केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कृष्णा राज थीं तथा विशिष्टातिथि दिल्ली के सांसद डा. आदित्य राज थे। अवार्ड से सम्मानित होने पर सुषमा जोशी को महिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.पी. बंसल और रजिस्ट्रार डा. ऋतु बजाज ने बधाई दी।

दैनिक ट्रिब्यून
Mon, 27 November 2017
epaper.dainiktribuneonline.co

पहले के साहित्य और वर्तमान साहित्य में काफी अंतर आ गया है। बदलते परिदृश्य में युवा साहित्य से विमुख होता जा रहा है और इसका सबसे प्रमुख कारण है, इंसान के अंदर पनपती 'अहं' की भावना। पहले कहानियां, कविताएं पढ़ी जाती थी, लेकिन अब सारा समय सोशल साइट ने ले लिया है।

साक्षात्कार | विष्णु कुमार

साहित्य के बजाय सोशल मीडिया पर ध्यान दे रहे युवा: डॉ डेजी

कटघरे अनन्त हैं और हम सभी कहीं न कहीं, किसी न किसी कटघरे में खड़े हैं, बस हमें अपना ही कटघरा नजर नहीं आता।। इन चंद शब्दों में जीवन की सच्चाई को बयां करने वाली लेखिका डा. डेजी ने अपनी रचनाओं में जीवन के हर पहलू को उजागर करने का प्रयत्न किया है। डा. डेजी कहती हैं कि पहले के साहित्य और वर्तमान साहित्य में काफी अंतर आ गया है। बदलते परिदृश्य में युवा साहित्य से विमुख होता जा रहा है और इसका सबसे प्रमुख कारण है, इंसान के अंदर पनपती 'अहं' की भावना। पहले कहानियां, कविताएं पढ़ी जाती थी, लेकिन अब सारा समय सोशल साइट ने ले लिया है। पढ़ने की आदत छूट गई है। लोगों में अहं की भावना प्रबल हो गई है। जब तक मनुष्य के अंदर से 'मैं' नहीं छूटेगा, तब तक साहित्य की रचना नहीं की जा सकती। वर्तमान समय में जरूरत है कि हम सामने वाले की भावनाओं को समझे, खुद को दूसरे के स्थान पर खड़ा कर देखें। आईना बनने की बजाए पारदर्शी शीशा बनें, तभी साहित्य को सही दिशा और दशा प्रदान कर सकते हैं।

भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय में अंग्रेजी की एसोसिएट प्रोफेसर, हैड ऑफ डिपार्टमेंट, एडिशनल पब्लिक रिलेशन ऑफिसर और महिला अध्ययन केंद्र बीपीएस खानपुर की निदेशिका का पदभार संभाल रही डा. डेजी ने विपरित परिस्थितियों में भी खुद को व अपने परिवार को संभाले रखा। दुखों का पहाड़ टूटने के बावजूद डा. डेजी अपने कर्मपथ पर निरंतर आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने जीवन के हर पहलू से कुछ न कुछ सीखा और अपनी कलम के माध्यम से उसे पन्नों पर उतारने का प्रयत्न किया। बचपन से साहित्य के प्रति रुचि ने लिखने के लिए प्रेरित किया, जिसे निरंतर जारी रखे हुए हैं।

मन में जो विचार आए उन्हें लिखती चली गई सोनीपत के गांव जुआं निवासी हाल सेक्टर-15 निवासी डा. डेजी का जन्म 28 दिसंबर 1970 को हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा सोनीपत के गीता विद्या मंदिर व हिंदू गर्ल्स स्कूल से की। उसके बाद बीएससी तक की शिक्षा हिंदू गर्ल्स कालेज से प्राप्त की। उनके पिता धर्मबीर सिंह छिक्कारा सीआरए कालेज में रसायन शास्त्र के प्रोफेसर व प्राचार्य पद पर रहे। पूरा परिवार साइंस में ही करियर बनाने के लिए कहता रहा, लेकिन अंग्रेजी साहित्य में रुचि उन्हें साहित्य की ओर ले गई। पढ़ाई पूरी होते ही भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में अंग्रेजी प्राध्यापिका के रूप में ज्वाइनिंग हुई। 25 साल से यहीं सेवाएं दे रही हैं।

2010 में छपा पहला साहित्य

डा. डेजी बताती हैं कि नौवीं कक्षा में उनकी सहेली योगिता की एक कविता अखबार में प्रकाशित हुई थी, तब लगा कि मुझे भी लिखना चाहिए। उसके बाद कुछ न कुछ लिखती रही, कालेज की मैगजीन में भी कविताएं प्रकाशित हुई। पति के देहांत के बाद माता-पिता के पास रहने लगी। शाम के समय वह छत पर सैर करती थी, उस दौरान अनेक विचार उनके दिमाग में कौंधते रहते थे। वर्ष 2009-10 में एक साल के लिए स्टडी लीव ली। इस बीच मन के विचारों को लेखनी का रूप देना शुरू किया। 2010 में पहला साहित्य 'आस' प्रकाशित हुआ। 2017 में 'करवटें मौसम की' प्रकाशित हुआ। जिसमें पूरी जिंदगी का ही निचोड़ है।

अध्ययन व लेखन में बढ़ाएं रुचि

डा. डेजी कहती हैं कि जब तक पढ़ने व लिखने के प्रति रुचि नहीं बढ़ेगी तब तक साहित्य की रचना नहीं हो सकती। उन्होंने पहले अपनी कविताएं फेसबुक पर डाली, जो काफी सराही गई, इसलिए जो लिखें, उसे शेयर करें। यहीं से लेखन के प्रति रुचि बढ़ती जाएगी। वे कहती है कि मेरी फेवरिट पंक्ति है-'उम्मीद न छोड़, पर उम्मीद न रख किसी से'।

"पढ़ने की आदत छूट गई है। लोगों में अहं की भावना प्रबल हो गई है। जब तक मनुष्य के अंदर से 'मैं' नहीं छूटेगा, तब तक साहित्य की रचना नहीं की जा सकती। वर्तमान समय में जरूरत है कि हम सामने वाले की भावनाओं को समझे, खुद को दूसरे के स्थान पर खड़ा कर देखें। आईना बनने की बजाए पारदर्शी शीशा बनें, तभी साहित्य को सही दिशा प्रदान कर सकते हैं।"

- दो पुस्तकें हो चुकी हैं प्रकाशित
- 2010 में छपा पहला संग्रह
- उम्मीद न छोड़, पर उम्मीद न रख किसी से है जीवन का दर्शन।

नौ पुस्तकें प्रकाशित

अब तक उनकी 9 पुस्तकें, जिनमें 6 अंग्रेजी और तीन हिंदी में प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा 27 लेख, 25 कविताएं व कथाएं पत्रों व पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

पंजाब केसरी 25-2-20

विकसित देशों में मातृभाषा में होता है सारा काम : डा. डेजी

मातृभाषा दिवस पर हुई प्रतियोगिता की विजेता बालिकाएं वी.सी. प्रो. सुषमा यादव के साथ। *(अरोड़ा)*

गोहाना, 24 फरवरी (अरोड़ा): गांव खानपुर कलां में स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित समारोह में बीज़ वक्ता डा. डेजी ने कहा कि विश्व के सभी विकसित देशों में सब काम मातृभाषा में ही होता है। उन्होंने खुलासा किया कि विश्व में 7 हजार के करीब भाषाएं हैं जिनमें से सबसे ज्यादा भाषाएं जिस देश में हैं, वह देश कोई और नहीं बल्कि भारत ही है। समारोह की मुख्यातिथि विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुषमा यादव तथा विशिष्टातिथि रजिस्ट्रार डा. किरण काम्बोज थीं। वी.सी. प्रो. सुषमा यादव ने खुलासा किया कि बांगलादेश में बंगला भाषा को मातृभाषा के रूप में स्थापित करवाने को ले कर जो आंदोलन हुआ था, उसी के बाद यूनैस्को के स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की गई थी। इस अवसर पर डा. मूर्ति मलिक और डा. श्रीलेखा चौबे के मार्गदर्शन में छात्राओं की भाषण और पोस्टर मेकिंग की प्रतियोगिताएं करवाई गईं। मुख्यातिथि ने विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया। साथ में डा. अशोक वर्मा, डा. सरोज सिंह, इप्शिता बंसल, बहन कमला देवी आदि भी उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner

'साहित्य से होता है भाषा का विकास'

राजकीय महिला कालेज मुरथल में एक दिवसीय सेमीनार में बोलीं डॉ. डेजी

अमर उजाला ब्यूरो

राई। साहित्य जीवन का मर्म होता है। कविताओं, कहानियों आदि विविध विधाओं के द्वारा हमें जीवन के 9 रसों का आनंद प्राप्त होता है। साहित्य ही वह चीज है, जिससे भाषा का विकास होता है। किसी भी भाषा में मुख्य रूप से उसे बोलना, पढ़ना और लिखना महत्वपूर्ण होता है। यहा बात बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. डेजी ने कही। वह राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल में अंग्रेजी शैक्षणिक परिषद द्वारा एक दिवसीय विस्तार व्याख्यान सेमीनार के दौरान बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रही थीं। मुख्य वक्ता का कॉलेज में पहुंचने पर प्राचार्या डॉ. सरोज अहलावत ने पुष्प भेंटकर स्वागत किया।

डॉ. डेजी ने भाषा प्रयोगशाला के सही उपयोग, अंग्रेजी भाषा अध्ययन और अध्यापन पर विस्तार से व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भाषा एक कल्चरल कांसट्रक्ट है। अंग्रेजी शैक्षणिक परिषद की संयोजिका डॉ. ज्योति राज ने कहा कि अंग्रेजी भाषा को विद्यार्थियों के लिए सुगम और आनंदमय बनाने के विभिन्न प्रयोगों को जानने के लिए विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। आज हमें नये विचारों के सृजन का समय नहीं है। भाषा के इस्तेमाल के द्वारा ही सीख सकते हैं तभी इसका विस्तार संभव है। प्राचार्या डॉ. सरोज अहलावत ने इसे एक अच्छा प्रयास बताते हुए कहा कि छात्राओं के ज्ञानार्जन में भाषा का अति महत्व है। इस मौके अन्य प्राध्यापक भी मौजूद थे।

मुख्य वक्ता डा. डेजी का स्वागत करती प्राचार्या सरोज अहलावत, साथ में अग्रेंजी शैक्षिणक परिषद की सयोजिका डा. ज्योति राज ।

डा. डेजी भारत शिक्षारत्न सम्मान से अलंकृत

गोहाना। डा. डेजी (एकदम बाएं) भारत शिक्षा रत्न सम्मान ग्रहण करने वाली हस्तियों के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय मे पदस्थ डा. डेजी को नई दिल्ली में भारत शिक्षा रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान प्राप्त करने महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में अंग्रेजी विभाग की एचओडी हैं। वह महिला विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की निर्देशिका भी हैं तो अतिरिक्त जन सम्पर्क अधिकारी भी हैं। ग्लोबल सोसायटी ऑफ हेल्थ के विभिन्न प्रांतों की 60 विभूतियों को उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए भारत शिक्षा रत्न सम्मान प्रदान किया गया।

हरियाणा से सम्मानित होने वाली वह प्रदेश की अकेली नागरिक रहीं। अलंकरण समारोह के अतिथि

खबरें फटाफट

डॉ. सुषमा को मिला नेशनल वूमेन एक्सीलेंस अवॉर्ड

रेवाड़ी| भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के लूला अहीर स्थित रीजनल सेंटर की निदेशक डॉ. सुषमा जोशी को योग कंफेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नेशनल वूमेन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इंडो-यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज के सहयोग से 25 नवंबर को दिल्ली में आयोजित 10वें अवॉर्ड समारोह में मुख्यातिथि कृषि राज्यमंत्री कृष्णा राज, सांसद डॉ. आदित्य राज ने देशभर की 21 महिलाओं के साथ उन्हें यह सम्मान दिया। इस उपलब्धि पर रीजनल सेंटर स्टाफ ने सेंटर निदेशक को बधाई दी। इस मौके पर डॉ. अनिल कुमार, अनीता देवी, डॉ. रीनू यादव, कुमारी राखी, प्रदीप, ज्योति, डॉ. राकेश, डॉ. देविंद्र, सुनील, मीनू रानी, आनंद, बिरेंद्र, रविंद्र, मधुबाला, सुनीता, सरिता, बिसंभर व अंजली आदि शामिल रहे।

सेवानिवृत्ति पर कला अध्यापक

अनदेख

50

एस्ट्रो

बलजीत

कंवाली स्थित 5
मिनी खेल स्टेडि
से केवल एक ही
इसका क्षेत्रफल
भी ज्यादा हो जा
बात करें तो यह
6 गांवों से 70 स
मैदान पर ही प्रैक्टि
कई खिलाड़ी
से चोटिल होकर

रीजनल सेंटर निदेशिका डॉ. सुषमा जोशी को मिला 'वूमेन ऑफ सब्सटेंट्स' अवॉर्ड

रीजनल सेंटर निदेशिका डॉ. सुषमा जोशी नई दिल्ली में एक समारोह के दौरान अवॉर्ड ग्रहण करते हुए।

भास्कर न्यूज़ | रेवाड़ी

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के उच्च अधिगम संस्थान में कार्यरत फिजिक्स की एसोसिएट प्रोफेसर एवं रीजनल सेंटर कृष्ण नगर की निदेशिका डॉ. सुषमा जोशी को सशक्त नारी परिषद एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से 'वूमेन ऑफ सब्सटेंट्स' अवॉर्ड से नवाजा गया। उक्त पुरस्कार डॉ. जोशी को उनके द्वारा चलाए गए ब्रेस्ट कैंसर अभियान और फिट इंडिया पिंक मूवमेंट के लिए प्रदान नई दिल्ली स्थित सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में प्रदान किया गया। कार्यक्रम संयोजिका एवं परिषद अध्यक्षा दीपा अंतिल ने डॉ. जोशी के कार्यों को सराहनीय बताया। बता दें कि डॉ. जोशी फिट इंडिया पिंक मूवमेंट के तहत हरियाणा राज्य की ब्रांड एंबेस्डर भी हैं।

हत्या के प्रयास व धमकी दे

प्रोफेसर महेश दधीच को लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड

गोहाना। प्रिंसिपल प्रो. महेश दधीच को अवार्ड देकर सम्मानित करते हुए अतिथिगण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

■ आयुर्वेद के क्षेत्र में डिजिटल सहयोग के लिए मिला पुरस्कार

गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह सिंह मैमोरियल आयुर्वेदिक कालेज के प्रिंसिपल प्रो. महेश दधीच को आयुर्वेद के क्षेत्र में डिजिटल सहयोग देने के लिए लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड दिया गया है। उनको यह अवार्ड दिल्ली में आयोजित एक समारोह में दिया गया। इस अवार्ड को आयुर्वेद के क्षेत्र में बड़ा अवार्ड माना जाता है। निरोग स्ट्रीट द्वारा केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय और सीएसआईआर के सहयोग से दिल्ली स्थित अंतरराष्ट्रीय केंद्र में एक समारोह आयोजित किया गया। इसी समारोह में प्रिंसिपल प्रो. महेश दधीच को यह अवार्ड प्रदान किया गया। उनको यह अवार्ड आयुर्वेद के मूर्धन्य विद्वान वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा, वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव, सतीश के सिंह, पत्रकार डा. हरिश्चन्द्र बर्णवाल, सीएम मीडिया लैब के प्रमुख प्रभाकर कुमार, आयुष विभाग हरियाणा की निदेशक डॉ. संगीत नेहरा द्वारा प्रदान किया गया। जानकारी के अनुसार प्रो. महेश दधीच पिछले 3 साल से आयुर्वेदा इन्फोर्मेशन नामक फेसबुक का एक पेज चला रहे हैं उनको यह अवार्ड मिलने पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव डा. किरण कंबोज ने उनको बधाई दी।